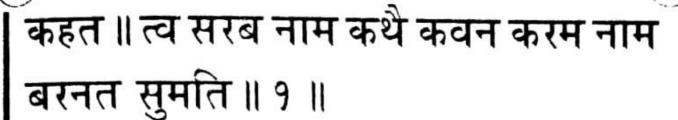


१ ओ अंकार सतिगुर प्रसादि॥

स्री वाहिगुरू जी की फतह॥ जापु ॥ स्री मुखवाक पातिसाही १०॥ छपै छंद ॥ त्वप्रसादि ॥ चक्क्र चिहन अरु बरन जाति अरु पाति नहिन जिह॥ रूप रंग अरु रेख भेख कोऊ कहि न सकति किह ॥ अचल मूरति अनभउ प्रकास अमितोज कहिज्जै॥ कोटि इंद्र इंद्राणि साहि साहाणि गणिज्जै॥ त्रिभवण महीप सुर नर असुर नेत नेत बन त्रिण



भुजंग प्रयात छंद॥

नमसत्वं अकाले॥ नमसत्वं क्रिपाले नमसतं अरूपे॥ नमसतं अनूपे ॥ २॥ नमसतं अभेखे ॥ नमसतं अलेखे ॥ नमसतं अकाए॥ नमसतं अजाए ॥ ३॥ नमसतं अगंजे ॥ नमसतं अभंजे ॥ नमसतं अनामे ॥ नमसतं अठामे ॥४॥ नमसतं अकरमं॥ नमसतं अधरमं॥ नमसतं अनामं॥ नमसतं अधामं ॥ ५ ॥ नमसतं अजीते ॥ नमसतं अभीते॥ नमसतं अबाहे॥ नमसतं अढाहे ॥६॥ नमसतं अनीले॥ नमसतं अनादे॥ नमसतं अछेदे॥ नमसतं अगाधे॥७॥



नमसतं अगंजे॥ नमसतं अभंजे ॥ नमसतं उदारे॥ नमसतं अपारे ॥ ८॥ नमसतं सु एके ॥ नमसतं अनेके ॥ नमसतं अभूते नमसतं अजूपे ॥ ९ ॥ नमसतं न्रिकरमे नमसतं च्रिभरमे ॥ नमसतं च्रिदेसे ॥ नमसतं न्रिभेसे ॥ १० ॥ नमसतं न्रिनामे ॥ नमसतं नमसतं न्रिधाते॥ न्रिघाते॥ ११॥ नमसतं न्रिधूते ॥ नमसतं ॥ नमसतं अलोके॥ नमसतं असोके ॥ १२ ॥ नमसतं च्रितापे ॥ नमसतं अथापे॥ नमसतं त्रिमाने ॥ नमसतं निधाने ॥ १३ ॥ नमसतं अगाहे ॥ नमसतं अबाहे ॥ नमसतं त्रिबरगे ॥ नमसतं असरगे ॥ १४ ॥ नमसतं प्रभोगे ॥ नमसतं सु जोगे ॥ नमसतं



भंगे॥ २२॥ नमो काल नमसतस्सतु द्याले॥ नमसतं अबरने॥ नमसतं अमरने ॥ २३॥ नमसतं जरारं॥ नमसतं क्रितारं ॥ नमो सरब धंधे ॥ नमोसत अबंधे॥ २४॥ नमसतं च्रिसाके॥ नमसतं न्रिबाके ॥ नमसतं रहीमे ॥ नमसतं करीमे ॥ २५ ॥ नमसतं अनंते ॥ नमसतं महंते नमसतस्सतु रागे ॥ नमसतं सुहागे ॥ २६ ॥ नमो सरब सोखं ॥नमो सरब पोखं॥ नमो सरब करता॥ नमो सरब हरता ॥ २७॥ नमो जोग जोगे॥ नमो भोग भोगे॥ नमो सरब द्याले॥ नमो सरब पाले॥ २८॥ चाचरी छंद॥ त्वप्रसादि॥ अरूप हैं॥ अनूप हैं॥ अजू हैं॥



हैं ॥ २९ ॥ अलेख हैं ॥ अभेख हैं ॥ अनाम हैं ॥ अकाम हैं ॥ ३० ॥ अधे हैं ॥ अभे हैं ॥ अजीत हैं॥ अभीत हैं॥३१॥ त्रिमान हैं॥ निधान हैं॥ त्रिबरग हैं॥ असरग हैं॥ ३२॥ अनील हैं॥ अनादि हैं॥ अजे हैं॥ अजादि हैं॥ ३३॥ अजनम हैं॥ अबरन हैं॥ अभूत हैं॥ अभरन हैं॥ ३४॥अगंज हैं॥अभंज हैं॥अझझ हैं॥ अझंझ हैं॥ ३५॥ अमीक हैं॥ रफीक हैं॥ अधंध हैं॥ अबंध हैं॥ ३६॥ न्रिबूझ हैं॥ असूझ हैं॥ अकाल हैं॥ अजाल हैं॥ ३७॥ अलाह हैं॥ अजाह हैं॥ अनंत हैं॥ महंत हैं॥ ३८॥ अलीक हैं॥ न्रिस्रीक हैं॥ न्रिलंभ हैं॥ असंभ हैं ॥ ३९॥ अगंम हैं॥ अजंम हैं॥ अभूत हैं॥ अछूत हैं॥ ४०॥ अलोक हैं॥

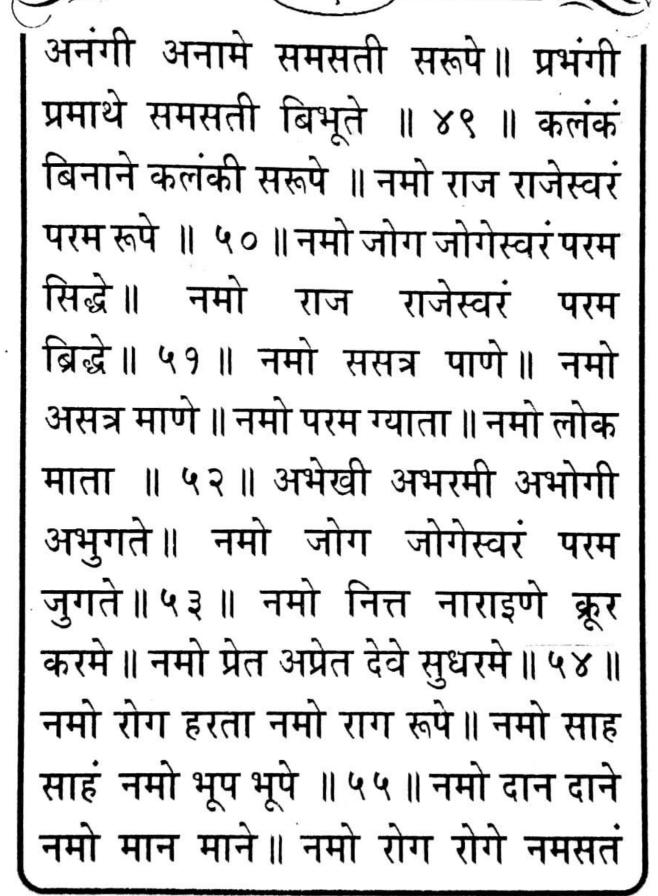




असोक हैं॥ अक्रम हैं॥ अभ्रम हैं॥ ४१॥ अजीत हैं॥ अभीत हैं॥ अबाह हैं॥ अगाह हैं॥ ४२॥ अमान हैं॥ निधान हैं॥ अनेक हैं॥ फिर एक हैं॥ ४३॥

भुजंग प्रयात छंद॥

नमो सरब माने ॥ समसती निधाने ॥ नमो देव देवे ॥ अभेखी अभेवे ॥ ४४ ॥ नमो काल काले ॥ नमो सरब पाले ॥ नमो सरब गउणे ॥ नमो सरब भउणे ॥ ४५ ॥ अनंगी अनाथे ॥ न्रिसंगी प्रमाथे ॥ नमो भान भाने ॥ नमो मान माने ॥ ४६ ॥ नमो चंद्र चंद्रे नमो भान भाने ॥ नमो गीत गीते नमो तान ताने ॥ ४७ ॥ नमो निरत निरते नमो नाद नादे ॥ नमो पान पाने नमो बाद बादे ॥ ४८ ॥





इसनानं॥५६॥ नमो मंत्र मंत्रं नमो जंत्र जंत्रं॥ नमो इसट इसटे नमो तंत्र तंत्रं॥५७॥ सदा सच्चदानंद सरबं प्रणासी॥ अनूपे अरूपे समसतुलि निवासी॥५८॥ सदा सिद्धदा बुद्धदा ब्रिद्ध करता॥अधो उरध अरधं अघं ओघ हरता॥५९॥ परम परम परमेस्वरं प्रोछ पालं॥ सदा सरबदा सिद्ध दाता दिआलं॥६०॥ अछेदी अभेदी अनामं

तेरा जोरु॥ चाचरी छंद॥ जले हैं ॥ थले हैं ॥ अभीत हैं ॥ अभे हैं ॥ ६२॥ प्रभू हैं ॥ अजू हैं ॥ अदेस हैं ॥ अभेस

अकामं॥ समसतो पराजी

धामं ॥ ६१॥

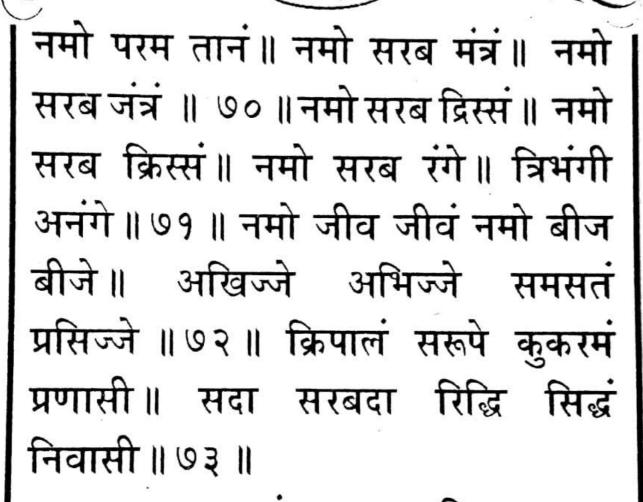
समसतस्सत्





हैं ॥ ६३॥

भुजंग प्रयात छंद॥ अगाधे अबाधे ॥ अनंदी सरूपे ॥ नमो सरब माने ॥ समसती निधाने ॥ ६४ ॥ नमसत्वं निनाथे ॥ नमसत्वं प्रमाथे ॥ नमसत्वं अगंजे ॥ नमसत्वं अभंजे नमसत्वं अकाले॥ नमसत्वं अपाले ॥ नमो सरब देसे ॥ नमो सरब भेसे ॥ ६६ ॥ नमो राज राजे ॥ नमो साज साजे॥ नमो साह साहे॥ नमो माह माहे॥ ६७॥ नमो गीत गीते ॥ नमो प्रीत प्रीते ॥ नमो रोख रोखे ॥ नमो सोख सोखे ॥६८॥ नमो सरब रोगे ॥ नमो सरब भोगे ॥ नमो सरब जीतं ॥ नमो सरब भीतं॥ ६९॥ नमो सरब ग्यानं॥



चरपट छद ॥ त्वप्रसादि॥
अम्रित करमे॥अब्रित धरमे॥ अक्खल
जोगे॥ अचल्ल भोगे॥७४॥अचल्ल राजे
॥अट्टल साजे॥ अक्खल धरमं॥ अलक्ख
करमं॥७५॥ सरबं दाता॥सरबं ग्याता॥
सरबं भाने॥सरबं माने॥७६॥सरबं प्राणं



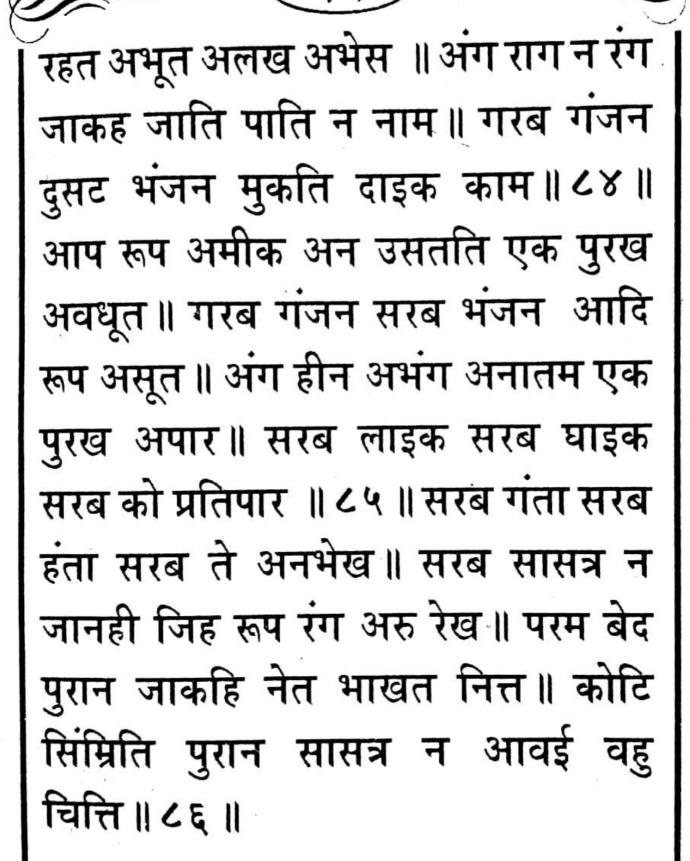
॥ सरबं त्राणं ॥ सरबं भुगता॥सरबं जुगता॥७७॥ सरबं देवं॥सरबं भेवं ॥ सरबं काले ॥सरबं पाले ॥७८॥

रूआल छंद॥ त्वप्रसादि॥ आदि रूप अनादि मूरति अजोनि पुरख अपार ॥ सरब मान त्रिमान देव अभेव आदि उदार॥ सरब पालक सरब घालक सरब को पुनि काल ॥ जत्त तत्त बिराजही अवधूत रूप रिसाल॥ ७९॥ नाम ठाम न जात जाकर रूप रंग न रेख॥ आदि पुरख उदार मूरति अजोनि आदि असेख॥ देस और न भेस जाकर रूप रेख न राग॥ जन्न तन्न दिसा विसा हुइ फैलिओ अनुराग ॥ ८०॥ नाम काम बिहीन पेखत धाम हूं नहि जाहि॥





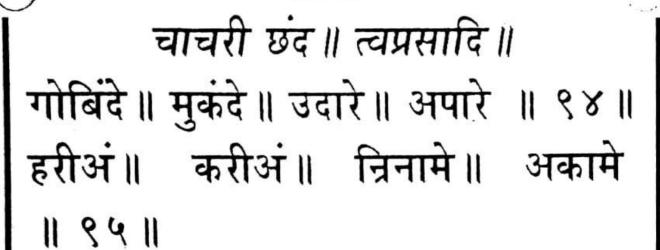
सरब मान सरबत्र मान सदैव मानत ताहि॥ एक मूरति अनेक दरसन कीन रूप अनेक॥ खेल खेल अखेल खेलन अंत को फिर एक ॥ ८१ ॥ देव भेव न जानही जिह बेद अउर कतेब॥ रूप रंग न जाति पाति सु जानई किह जेब ॥तात मात न जात जाकरि जनम मरन बिहीन ॥ चक्क्र बक्क्र फिरै चत्त चक्क मानही पुर तीन ॥ ८२ ॥ लोक चउदह के बिखे जग जापही जिह जाप ॥ आदि देव अनादि मूरति थापिओ सभै जिह थाप॥ परम रूप पुनीत मूरति पूरन पुरखु अपार॥ सरब बिस्व रचिओ सुयंभव भंजनहार ॥ ८३ ॥ काल हीन कला संजुगति अकाल पुरख अदेस ॥ धरम धाम सु भरम







मधुभार छंद॥ त्वप्रसादि॥ गुन गन उदार॥ महिमा अपार॥ आसन अभंग॥ उपमा अनंग ॥ ८७ ॥ अनभउ प्रकास ॥ निसदिन अनास ॥ आजान बाहु ॥ साहान साहु ॥ ८८ ॥ राजान राज ॥ भानान भान ॥ देवान देव ॥ उपमां महान ॥ ८९ ॥ इंद्रान इंद्र॥ बालान बाल ॥रंकान रंक॥ कालान काल ॥९०॥ अनभूत अंग॥ आभा अभंग ॥गति मिति अपार॥गुन गन उदार ॥ ९१ ॥ मुनि गनि प्रनाम ॥ निरभै निकाम ॥ अति दुति प्रचंड ॥ मिति गति अखंड ॥ ९२ ॥ आलिस्य करम ॥ आद्रिस्य धरम ॥ सरबाभरणाढ्य ॥ अनडड बाढ्य 11 83 11



भुजंग प्रयात छंद॥

चत्तु चक्क्र करता ॥ चत्तु चक्क्र हरता ॥ चत्तु चक्क्र दाने ॥ चत्तु चक्क्र जाने ॥ ९६ ॥ चत्तु चक्क्र वरती ॥ चत्तु चक्क्र भरती ॥ चत्तु चक्क्रपाले ॥ चत्तु चक्क्र काले ॥ ९७ ॥ चत्तु चक्क्र पासे ॥ चत्तु चक्क्र वासे ॥ चत्तु चक्क्र मान्ये ॥ चत्तु चक्क्र दान्ये ॥ ९८ ॥

चाचरी छंद॥

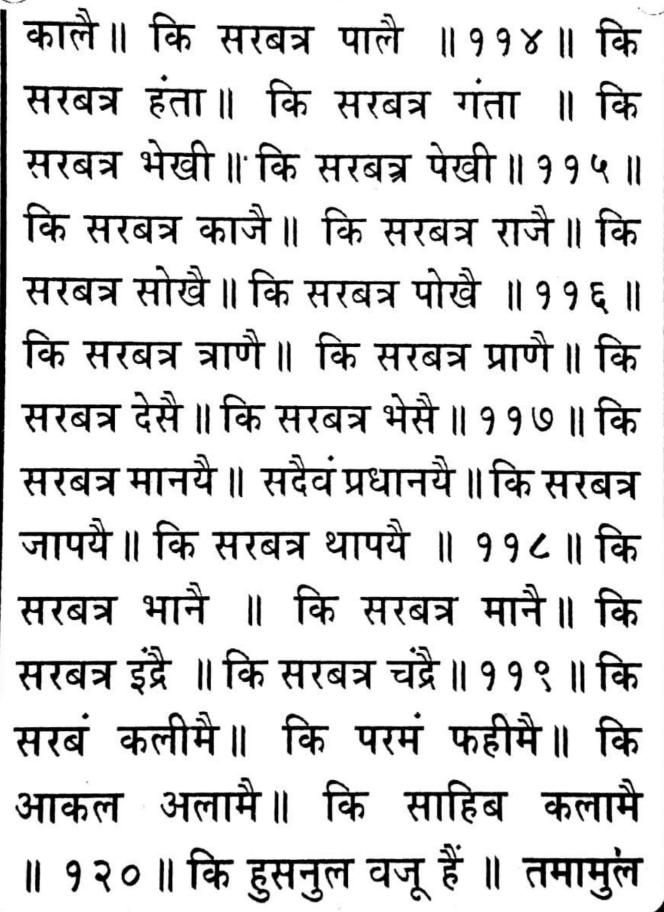
न सत्ते॥ न मित्ते॥ न भरमं॥ न भित्ते॥ ९९ ॥ न करमं॥ न काए॥ अजनमं

॥अजाए ॥ १०० ॥ न चित्रै ॥ न मित्रै ॥ परे है ॥ पवित्ते ॥ १०१ ॥ प्रिथीसै ॥ अदीसे ॥ अद्रिसे ॥ अक्रिसे भगवती छंद॥ त्वप्रसादि कथते॥ कि आछिज्ज देसै ॥ कि आभिज्ज भेसै ॥ कि आगंज करमै ॥ कि आभंज भरमै ॥ १०३ ॥ कि आभिज्ज लोकै॥ कि आदित्त सोकै कि अवध्रत बरनै॥ कि बिभूत करनै ॥ १०४ ॥ कि राजं प्रभा हैं।। कि धरमं धुजा हैं॥ कि आसोक बरनै॥ कि सरबा अभरने ॥ १०५ ॥ कि जगतं क्रिती हैं ॥ कि छत्रं छत्री हैं॥ कि ब्रहमं सरूपे॥ कि अनभउ अनूपै॥१०६॥ कि आदि अदेव हैं॥ कि आपि अभेव हैं॥ कि चित्रं बिहीनै॥ कि एकै



अधीनै ॥१०७॥कि रोजी रजाकै॥ रहीमै रिहाकै ॥ कि पाक बिऐब हैं ॥ कि गैबुल गैब हैं॥ १०८॥ कि अफवुल गुनाह हैं॥ कि साहान साह हैं॥ कि कारन कुनिंद हैं॥ कि रोजी दिहंद हैं॥ १०९॥ कि राजक रहीम हैं॥ कि करमं करीम हैं॥ कि सरबं कली हैं॥ कि सरबं दली हैं ॥११०॥ कि सरबत्र मान्ये॥ कि सरबत्र दान्ये॥ कि सरबत्र गउनै॥ कि सरबत्र भउनै॥१११॥ कि सरबत्र देसै॥ कि सरबत्र भेसै॥ कि सरबत्र राजै॥ कि सरबत्र साजै ॥११२॥ कि सरबत्र दीनैं॥ कि सरबत्र लीनैं॥ कि सरबत्र जा हो॥ कि सरबत्र भा हो॥११३॥ कि सरबत्र देसै॥ कि सरबत्र भेसै॥ कि सरबत्र











रूपे॥ अनादि सरूपे॥ अनंगी अनामे॥ त्रिभंगी त्रिकामे ॥ १२८॥ त्रिबरगं त्रिबाधे॥ अगंजे अगाधे ॥ सुभं सरब सुसरबा अनुरागै ॥ त्रिभुगत सरूप हैं ॥ अछिज्ज हैं अछूत हैं ॥ कि नरकं प्रणास हैं॥ प्रिथीउल प्रवास हैं॥ १३० ॥ निरुकति प्रभा हैं ॥ सदैवं सदा हैं ॥ बिभुगति सरूप हैं॥ प्रजुगति अनूप हैं ॥ १३१ ॥ निरुकति सदा हैं ॥ बिभुगति प्रभा हैं॥ अनउकति सरूप हैं॥ प्रजुगति अनूप हैं॥ १३२॥

चाचरी छंद॥

अभंग हैं॥अनंग हैं॥ अभेख हैं॥अलेख हैं॥१३३॥ अभरम हैं॥ अकरम हैं॥



चरपट छंद ॥ त्वप्रसादि ॥ सरबं हंता ॥ सरबं गंता ॥ सरबं खिआता ॥ सरबं गिआता ॥ १४२ ॥ सरबं हरता ॥



सरबं करता ॥ सरबं प्राणं ॥ सरबं त्राणं ॥ १४३ ॥ सरबं करमं॥ सरबं धरमं॥ सरबं जुगता॥ सरबं मुकता ॥१४४॥ रसावल छंद्र ॥ त्वप्रसादि ॥ नमो नरक नासे॥ सदैवं प्रकासे॥ अनंगं सरूपे॥ अभंगं बिभूते ॥ १४५॥ प्रमाथं प्रमाथे ॥ सदा सरब साथे ॥ अगाधि सरूपे ॥ न्रिबाधि बिभूते॥ १४६ ॥ अनंगी अनामे ॥ त्रिभंगी त्रिकामे ॥ न्रिभंगी सरूपे ॥ स्रबंगी अनूपे ॥१४७॥ न पोत्रे न पुत्रे ॥ न सत्रे निमेत्रे॥ न ताते न माते॥ न जाते न पाते॥ १४८ ॥ च्रिसाकं सरीक हैं॥ अमितो अमीक हैं॥ सदैवं प्रभा हैं॥ अजे हैं अजा हैं ॥१४९॥





भगवती छंद॥ त्वप्रसादि॥ कि जाहर जहूर हैं॥ कि हाजर हजूर हैं॥ हमेसुल सलाम हैं॥ समसतुल हैं॥ १५० ॥ कि साहिब दिमाग हैं॥ कि हुसनल चराग हैं॥ कि कामल करीम हैं॥ कि राजक रहीम हैं ॥ १५१ ॥ कि रोजी दिहंद हैं ॥ कि राजक रहिंद हैं ॥ करीमुल कमाल हैं ॥ कि हुसनुल जमाल हैं॥ १५२॥ गनीमुल खिराज हैं॥ गरीबुल निवाज हैं॥ हरीफुल सिकंन हैं॥ हिरासुल फिकंन हैं ॥ १५३॥ कलंकं प्रणास हैं॥ समसतुल निवास है॥ अगंजुल गनीम हैं॥ रजाइक रहीम हैं॥ १५४ ॥ समसंतुल जुबा हैं ॥ कि साहिब किरा हैं॥ कि नरकं प्रणास हैं॥ बहिसतुल



निवास हैं॥ १५५॥ कि सरबुल गवंन हैं॥ हमेसुल रवंन हैं॥ तमामुल तमीज हैं॥ समसतुल अजीज हैं॥ १५६॥ परं परम ईस हैं॥ समसतुल अदीस हैं॥ अदेसुल अलेख हैं॥ हमेसुल अभेख हैं॥ १५७॥ जिमीनुल जमा हैं॥ अमीकुल इमा हैं॥ करीमुल कमाल हैं॥ कि जुरअति जमाल हैं॥ १५८॥ कि अचलं प्रकास हैं॥ कि अमितो सुबास हैं॥ कि अजब सरूप हैं॥ कि अमितो बिभूत हैं ॥ १५९ ॥ कि अमितो पसा हैं ॥ कि आतम प्रभा हैं ॥ कि अचलं अनंग हैं ॥ कि अमितो अभंग हैं ॥१६०॥

मधुभार *छंद ॥ त्वप्रसादि ॥* मुनि मन प्रनाम ॥ गुन गन मुदाम ॥ अरि बर





अगंज ॥ हरि नर प्रभंज ॥ १६१ ॥ अन गन प्रनाम ॥ मुनि मन सलाम ॥ हर नर अखंड ॥ बर नर अमंड ॥ १६२ ॥ अनुभव अनास ॥ मुनि मन प्रकास॥ गुन गन प्रनाम॥ जल थल मुदाम॥ १६३॥ अनिछिज्ज अंग॥ आसन अभंग ॥ उपमा अपार ॥ गति मिति उदार॥ १६४॥ जल थल अमंड॥ दिस विस अभंड ॥ जल थल महत ॥ दिस विस बिअंत ॥ १६५ ॥ अनभव अनास ॥ ध्रित धर धुरास॥ आजान बाहु॥ एकै सदाहु ॥१६६॥ ओअंकार आदि॥ कथनी अनादि॥ खल खंड खिआल ॥ गुर बर अकाल ॥ १६७ ॥घर घर प्रनाम ॥ चित चरन नाम॥ अनिष्ठज गात॥ आजिज न



बात॥१६८॥ अनझझ गात॥अनरंज बात॥ अनटुट भंडार॥ अनटट अपार॥१६९॥ आडीट धरम॥ अति ढीटकरम॥ अणब्रण अनंत॥ दाता महंत ॥१७०॥

हरिबोलमना छंद ॥ त्वप्रसादि ॥
करुणालय हैं ॥ अरि घालय हैं ॥ खल खंडन
हैं ॥ मिह मंडन हैं ॥ १७१ ॥ जगतेस्वर
हैं ॥ परमेस्वर हैं ॥ किल कारन हैं ॥ सरब
उबारन हैं ॥ १७२ ॥ ध्रित के धरन हैं ॥
जग के करन हैं ॥ मन मानिय हैं ॥ जग
जानिय हैं ॥ १७३ ॥ सरबं भर हैं ॥ सरबं
कर हैं ॥ सरब पासिय हैं ॥ सरब नासिय हैं ॥
१७४ ॥ करुणाकर हैं ॥ बिस्वंभर हैं ॥





सरबेस्वर हैं॥ जगतेस्वर हैं॥ १७५॥ ब्रहमंडस हैं॥ खल खंडस हैं॥पर ते पर हैं॥ करुणाकर हैं॥१७६॥ अजपा हैं॥अथपा थप हैं॥ अक्रिता क्रित हैं॥ अम्रिता म्रित हैं॥१७७॥ अंम्रिता म्रित हैं।। करुणा क्रित हैं।। अक्रिता हैं॥ धरणी ध्रित हैं ॥ १७८ ॥ अमितेस्वर हैं ॥ परमेस्वर हैं॥ अक्रिता क्रित हैं॥ अम्रिता म्रित हैं॥ १७९॥ अजबा क्रित हैं॥ अम्रिता म्रित हैं॥ नर नाइक हैं॥ खल घाइक हैं॥ १८० ॥ बिस्वंभर हैं ॥ करुणालय हैं॥ न्रिप नाइक हैं॥ सरब पाइक हैं॥ १८१ ॥ भव भंजन हैं॥अरि गंजन हैं॥ रिपु तापन हैं॥ जपु जापन हैं॥१८२॥ अकलं क्रित



हैं ॥ सरबा क्रित हैं ॥ करता कर हैं ॥ हरता हर हैं ॥ १८३ ॥ परमातम हैं ॥ सरब आतम हैं ॥ आतम बस हैं ॥ जस के जस हैं ॥ १८४ ॥ भुजंग प्रयात छंद ॥

नमो सूरज सूरजे नमो चंद्र चंद्रे॥ नमो राज राजे नमो इंद्र इंद्रे॥ नमो अंधकारे नमो तेज तेजे॥ नमो ब्रिंद ब्रिंदे नमो बीजे ॥ १८५ ॥ नमो राजसं तामसं सांत रूपे॥ नमो परम तत्तं अतत्तं सरूपे॥ नमो जोग जोगे नमो गिआन गिआने ॥ नमो मंत्र मंत्रे नमो धिआन धिआने॥ १८६॥ नमो जुध जुधे नमो गिआन गिआने ॥ नमो भोज भोजे नमो पान पाने॥ नमो कलह करता नमो सांत रूपे॥ नमो इंद्र इंद्रे अनादं



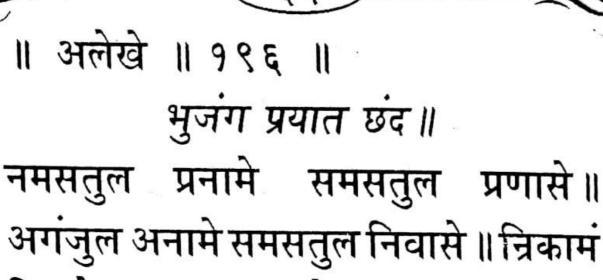


बिभूते ॥ १८७॥ कलंकार रूपे अलंकार अलंके ॥ नमो आस आसे नमो बांक बंके ॥ अभंगी सरूपे अनंगी अनामे॥ त्रिभंगी त्रिकाले अनंगी अकामे॥ १८८॥

एक अछरी छंद॥

अजै॥ अलै॥ अभै ॥ अबै॥ १८९॥ अभू॥ अजू॥ अनास ॥ अकास॥ १९०॥ अगंज ॥ अभंज ॥ अलक्ख ॥ अभक्ख ॥ १९१॥ अकाल॥ दिआल॥ अलेख ॥ अभेख ॥ १९२॥ अनाम ॥ अकाम॥ अगाह ॥ अढाह ॥ १९३॥ अनाथे॥ प्रमाथे॥ अजोनी ॥ अमोनी ॥ १९४॥ न रागे॥ न रंगे॥ न रूपे॥ न रेखे॥ १९५॥ अकरमं॥ अभरमं॥ अगंजे





अगंजुल अनामे समसतुल निवासे ॥ न्रिकामं बिभूते समसतुल सरूपे॥ कुकरमं प्रणासी सुधरमं बिभूते॥ १९७ ॥ सदा सचदानंद सत्रं प्रणासी ॥ करीमुल कुनिंदा समसतुल निवासी ॥ अजाइब बिभूते गजाइब गनीमे॥ हरीअं करीअं करीमुल रहीमे ॥ १९८ ॥ चत्त चक्क्र वस्ती चत्त चक्क्र भुगते ॥ सुयंभव सुभं सरबदा सरब जुगते ॥ दुकालं प्रणासी दइआलं सरूपे॥ सदा अंग संगे अभंगं बिभूते ॥ १९९ ॥